Roll No. ..... Total Pages : 3

# 204-RE

## NGSM/D-25

## HINDI

(Adhunik Gadhya Sahitya)

Paper : B23-HIN-301

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 70

**नोट :** निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. निम्न की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) रात एक पहर बीत चली, पर मधूलिका अपनी झोपड़ी तक न पहुँची। वह उधेड़बुन में विक्षिप्त सी चली जा रही थी। उसकी आँखों के सामने कभी सिंह मित्र और कभी अरूण की मूर्ति अन्धकार में चित्रित होती जाती। उसे सामने आलोक दिखाई पड़ा। वह बीच पथ में खड़ी हो गई। प्रायः एक सौ उल्काधारी अश्वारोही चले आ रहे थे और आगे-आगे एक वीर अधेड़ सैनिक था। उसके बायें हाथ में अश्व की वल्गा और दाहिने हाथ में नग्न खड्ग।

अथवा

दिन चिराग के घर की छानबीन होती रही थी। जब उसका सारा समान लुटा जा चुका, तो जाने किसने उस घर को आग लगा दी थी। रक्खे पहलवान ने तब कमस खाई थी कि वह आग लगाने वाले को जिन्दा जमीन में गाड़ देगा क्योंकि उस मकान

पर नजर रखकर ही उसने चिराग को मारने का निश्चय किया। उसने उस मकान को शुद्ध करने के लिए हवन सामग्री भी ला रखी थी। लेकिन आग लगाने वाले का आज तक पता नहीं चला।

(ख) किन्तु इस संसार के आरंभ में बड़ा भारी प्रार्थक्य होने पर भी अंत में बड़ी भारी एकता है। समय अंत में सबको अपने मार्ग पर ले आता है देशपति, राजा और भिक्षा माँगकर पेट भरने वाले कंगाल का परिणाम एक ही होता है। मिट्टी-मिट्टी में मिल जाता है यह जीते भी लुभाने वाली दुनियाँ यहीं रह जाती है। कितने ही शासक कितने ही नरेश इस पृथ्वी पर हो गए आज उनका निशान भी नहीं है।

अथवा

कुछ लाख वर्षों की बात है जब मनुष्य जंगली था वनमानुष जैसा उसे नाखून की जरूरत थी। उसकी जीवन रक्षा के लिए नाखून बहुत जरूरी था। असल में वही उसके अस्त्र थे। दाँत भी थे पर नाखून के बाद ही उसका स्थान था। उन दिनों उसे जूझना पड़ता था। नाखून उसके लिए आवश्यक अंग था। धीरे-धीरे वह उससे बाहर की वस्तुओं का सहारा लेने लग गया। पत्थर के ठेले व पेड़ की छाल काम में लेने लग गया। (2×7=14)

2. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) पुरस्कार कहानी की तात्विक समीक्षा कीजिए।

अथवा

पच्चीस चौका डेढ सौ' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) मजदूरी और प्रेम निबंध का उद्देश्य स्पष्ट करें।

अथवा

नाखून क्यों बढ़ते हैं निबंध की कला पक्ष पर विचार कीजिए।

(ग) राम काव्य की प्रवृतियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता पर विचार कीजिए।

(3×14=42)

3. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) मोहन राकेश का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(ख) 'पुरस्कार' कहानी पर टिप्पणी कीजिए।

(ग) नागरी लिपि की विशेषताएं बताइए।

(घ) कृष्ण काव्य की प्रवृत्तियाँ बताइए।

(ङ) संत काव्य में कबीर का योगदान बताइए।

(च) सूफी काव्य की विशेषताएं बताइए।

(छ) ब्राहमी लिपि की विशेषताएं बताइए। (2×7=14)